

## धरमावादी युग

- (i) वैयक्तिकता -
- (ii) प्रेम और लौकिकता -
- (iii) वेदना और पलायनवाद -
- (iv) राष्ट्रिय भावना
- (v) मानवतावाद -
- (vi) नारी के प्रति नवीन दृष्टिकोण -
- (vii) अज्ञातसत्ता के प्रति आकर्षण -
- (viii) अभिव्यक्ति की अनूठी पद्धति -
- (ix) प्रकृति का मानवीकरण -
- (x) मुक्त धर्म

## प्रगतिवाद

- (i) पूँजीवाद का विरोध -
- (ii) साम्यवाद का विरोध -
- (iii) भाषा शैली -
- (iv) सांस्कृतिक समन्वय -
- (v) कला पक्ष
- (vi) नीहिकता एवं व्यंग्य प्रयोग -
- (vii) क्रांति की भावना -
- (viii) शैलिक विशेषताएँ -  
निष्कर्ष -

## प्रयोगवाद

- (i) विचारधारा से मुक्ति -

- (ii) सत्यान्वेषण -
- (iii) व्यक्तिवाद -
- (iv) श्वाश्र्ववादी दृष्टि -
- (v) लघुमानव की प्रतिष्ठा -
- (vi) नासना की लज्जा (आत्मिच्छा) -
- (vii) विक्रीत धार्मिकता -
- (viii) शैलिक विशेषताएँ -
- निष्कर्ष -

### वाइकविता

- (i) व्यक्ति स्वतंत्रता -
- (ii) आस्था एवं अनास्था -
- (iii) आध्यात्मिक सम्भवा -
- (iv) अनुभूति परकता -
- (v) प्रकृति चित्रण -
- (vi) शैलिक विशेषताएँ -
- निष्कर्ष -

### शठोत्तरी कविता

- (i) मानववादी भावना -
- (ii) आत्म संघर्ष -
- (iii) कल्याणकारी भावना -
- (iv) प्रकृति प्रेम -
- (v) आत्मिच्छा जन्म शक्ति -
- (vi) शैलिक विशेषता -
- (vii) राष्ट्र प्रेम -
- (viii) परिवार एवं समाज की तरक -

वसन्त उमा